ई संदेश

निवेश का नया पता
उत्तर प्रदेश

26 फरवरी, 2026 | अंक -194

सात दिन, सात पृष्ठ

- जिस मातृभूमि से हमारे पूर्वजों का सम्बन्ध रहा है, उसके प्रति अपने कर्तव्यों का डटकर निर्वहन करें : मुख्यमंत्री
- उ0प्र0 में आने वाले सभी निवेश सुरक्षित, जो भारत की सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने वाले साबित होंगे : मुख्यमंत्री
- दो दिनों में उ0प्र0 को लगभग 01 लाख करोड़ रु0 के निवेश प्रस्ताव प्राप्त, जिनमें अब तक 60 हजार करोड़ रु0 के एम0ओ0यू0 इन्वेस्ट यू0पी0 के साथ सम्पन्न : मुख्यमंत्री
- भारतीय मूल के लोगों को अपने देश की उन्नति और समृद्धि के लिए अपना योगदान देना चाहिए: मुख्यमंत्री
- उ0प्र0 निवेश के लिए भारत का सबसे बेहतर राज्य बनकर उभरा : मुख्यमंत्री
- प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट 'इण्डिया चिप' का शिलान्यास किया
- सरकार का प्रयास, यदि आपदा आती है, तो 24 घण्टे के अन्दर पीड़ित के खाते में धनराशि पहुंच जाए : मुख्यमंत्री
- लखनऊ को ए0आई0 सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा : मुख्यमंत्री

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

जिस मातृभूमि से हमारे पूर्वजों का सम्बन्ध रहा है, उसके प्रति अपने कर्तव्यों का डटकर निर्वहन करें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 23 फरवरी, 2026 को सिंगापुर में भारतीय समुदाय से जुड़े लोगों का उनके उत्साहपूर्वक अभिनन्दन के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें होली की शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री जी आज सिंगापुर में ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय डायस्पोरा को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सिंगापुर के भारतीय समुदाय का अपनी मातृभूमि के प्रति लगाव हम सभी को भारत के विकास हेतु कुछ कर गुजरने का नया उत्साह देता है। माता और मातृभूमि का कर्ज व्यक्ति के ऊपर हमेशा बना रहता है। यह हम सब भारतीयों का संस्कार है कि जिस धरती पर रहेंगे, उस धरती के प्रति पूरे कृतज्ञ भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपने कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री जी ने लोगों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आत्मा का प्रदेश है। उत्तर प्रदेश ने आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर व आधुनिक टेक्नोलॉजी के एक नए हब के रूप में अपने आपको स्थापित करने में सफलता प्राप्त की है। उत्तर प्रदेश में हर सेक्टर में निवेश आ रहा है। 34 से अधिक सेक्टोरल पॉलिसीज वर्तमान में कार्यरत हैं। 75,000 एकड़ का लैण्ड बैंक उत्तर प्रदेश के पास है। प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर हम लोगों के लिए बड़े-बड़े क्लस्टर लैण्ड भी तैयार करके रखे हुए हैं। यहाँ विद्युत की अनवरत सप्लाई और सुरक्षा का बेहतर माहौल है। 'अब यू0पी0 में न कर्फ्यू है, न दंगा है, यू0पी0 में सब चंगा है'। हर व्यक्ति अब उत्तर प्रदेश में शांतिपूर्ण ढंग से विकास में सहभागी बन रहा है। किसी प्रकार का कोई भय नहीं। अब तो उत्तर प्रदेश में नाइट शिफ्ट में भी महिलाएं कार्य कर रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विजनरी लीडरशिप में आज भारत के 55 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश के पास हैं। भारत का रेल का सबसे बड़ा नेटवर्क उत्तर प्रदेश में है। भारत के सबसे ज्यादा शहरों में मेट्रो पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सेवा उत्तर प्रदेश के पास है। कल ही प्रधानमंत्री जी ने भारत की पहली रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो का शुभारम्भ किया है। भारत के सर्वाधिक एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश में हैं। अगले माह प्रधानमंत्री जी अपने कर-कमलों से उत्तर प्रदेश के नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करने जा रहे हैं। भारत का सबसे बड़ा यह एयरपोर्ट न केवल पैसेंजर, बल्कि कार्गो के भी सबसे बड़े केन्द्र के रूप में उभरेगा। उत्तर प्रदेश में भारत के मोबाइल फोन की 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेण्ट की 60 प्रतिशत मैन्युफैक्चरिंग हो रही है।

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में हम लोगों ने विगत 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तीन गुना करने में सफलता प्राप्त की है। अर्थात कृतज्ञता का भाव जब अपनी मातृभूमि के प्रति होता है, तो सफलता प्राप्त करने में देर नहीं लगती। आज उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय लगभग तीन गुना हुई है। बिना भेदभाव हर जरूरतमंद को शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है।

प्रदेश में फिल्म सिटी, मेडिकल डिवाइस पार्क, फार्मा पार्क, अपैरल पार्क, सेमीकंडक्टर यूनिट बन रही हैं। डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर भी उत्तर प्रदेश में स्थापित हुआ है। इसके अन्तर्गत 06 नोड विकसित हो रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' में सटीक निशाने के साथ दागी गई ब्रह्मोस मिसाइल, लखनऊ की ही थी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, भारत की सबसे बड़ी आबादी का राज्य है। आज आपको उत्तर प्रदेश में विरासत और विकास का एक अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मन्दिर भारत की मर्यादा का एहसास हर भारतवासी को कराता है। काशी में श्रीकाशी विश्वनाथ धाम विरासत की पुनर्स्थापना व भारत की शाश्वत चेतना का उदाहरण प्रस्तुत करता है। श्रीकृष्ण की लीला भूमि मथुरा-वृन्दावन भारत की भक्ति का प्रतीक है। प्रयागराज महाकुंभ की सफलता आप सबके सामने है। काशी देवाधिदेव महादेव की अनुभूति का एहसास करा रही है। मथुरा-वृन्दावन, प्रयागराज, बौद्ध सर्किट, जैन सर्किट, सूफी परम्परा से जुड़े स्थल मजबूती के साथ उत्तर प्रदेश की नई पहचान को आगे बढ़ा रहे हैं। हम स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़े ऐतिहासिक कार्यक्रमों को भी आगे बढ़ा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज भारत हर दिशा में आगे बढ़ रहा है। हम किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करते हैं। हमारे पर्व और त्यौहार समरसता के प्रतीक हैं। आज भारत गर्व के साथ कहता है कि भारत अब एक है और श्रेष्ठ है। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की इस नई यात्रा के साथ हर एक भारतीय व हर प्रवासी भारतीय को जुड़ना चाहिए।

प्रधानमंत्री जी की विजनरी लीडरशिप में यह 'नया भारत' बहुत शीघ्र दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपने आप को स्थापित करेगा। वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ आज भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं। डिजिटल इंडिया, स्टार्ट-अप, ईको-सिस्टम, स्टैंड-अप कल्चर इसके प्रमुख उदाहरण हैं। हाल ही में दिल्ली में आयोजित 'इण्डिया ए0आई0 इम्पैक्ट समिट' में 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष और 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भागीदार बने। विकसित देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 'नये भारत' व वैश्विक व्यवस्था के हित में उठाए जा रहे कदमों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। सभी ने प्रधानमंत्री जी के डिजिटल इण्डिया की ताकत को महसूस किया।

आप सबको इस बात पर गौरव की अनुभूति होगी कि आपने या आपके किसी पूर्वज ने भारत की धरती पर जन्म लिया और वही जड़ें आज सिंगापुर में आपको भारत की धरती के प्रति आकर्षित करती हैं। सचमुच यह हर भारतीय के लिए गौरव का विषय होना चाहिए।हमारा दायित्व है जिस धरती पर रहते हैं उस धरती के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन भी ईमानदारी पूर्वक करें। कोई हम पर उंगली न उठाए। हमें शक की निगाहों से न देखे। साथ ही, जिस मातृभूमि से हमारे पूर्वजों का सम्बन्ध रहा है, उसके प्रति भी अपने कर्तव्यों का डटकर निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ग्लोबल इण्डियन इण्टरनेशनल स्कूल भारतीय परम्पराओं को बेहतर ढंग से आगे बढ़ा रहा है। सिंगापुर का भारतीय समुदाय अपनी मातृभाषा, सांस्कृतिक व आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन्त बनाए रखते हुए उन्हें मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। यह सचमुच में प्रशंसनीय है। उन्होंने ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल कैम्पस की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह लखनऊ में भी अपना इन्वेस्टमेंट करने जा रहा है। श्री अतुल जी उत्तर प्रदेश में स्कूल के साथ स्किलिंग को भी लेकर आएंगे। यहां के कैम्पस में बच्चों को भारत के सी0बी0एस0ई0 का पाठ्यक्रम भी पढ़ाया जाता है। प्रधानमंत्री जी ने देश में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी-2020 लागू की है, जिसमें आधुनिक व परम्परागत ज्ञान को एक साथ बढ़ाया जा रहा है।

उ0प्र0 में आने वाले सभी निवेश सुरक्षित, जो भारत की सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने वाले साबित होंगे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 24 फरवरी, 2026 को सिंगापुर में बिजनेस फेडरेशन सिंगापुर द्वारा उत्तर प्रदेश इन्वेस्टमेण्ट रोड-शो के अन्तर्गत आयोजित 'बिजनेस लीडर्स संवाद' कार्यक्रम को सम्बोधित किया। मुख्यमंत्री जी ने सभी बिजनेस लीडर्स को उत्तर प्रदेश में निवेश हेतु आमंत्रित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में आपका निवेश सुरक्षित होगा। बिजनेस की सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने में उत्तर प्रदेश आपके सामने प्रस्तुत है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सिंगापुर के बिजनेस लीडर्स से विभिन्न चरणों में संवाद हुआ है। सिंगापुर के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, ऊर्जा मंत्री व उद्यमियों के साथ परस्पर विकास की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया है। प्रतिनिधिमंडल के साथ उन्होंने कई सेंटर का निरीक्षण भी किया है। टेमासेक, जी0आई0सी0, यू0एस0सी0, जी0एस0एस0 ग्रीन, सैप कोर्स, ब्लैक स्टोन इत्यादि संस्थाओं के चेयरमैन और सी0ई0ओ0 के साथ हमारी सार्थक चर्चा हुई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नये व आधुनिक भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में विगत 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश के 'पोटेंशियल को परफॉर्मेंस' में बदलने का कार्य किया गया है। यहाँ हर इंडस्ट्री लीडर उत्तर प्रदेश को भारत के ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में देख रहा है। उत्तर प्रदेश भारत की इकोनॉमी के ग्रोथ इंजन के रूप में कार्य कर रहा है, इन सम्भावनाओं को यहाँ लोगों ने देखा है। उत्तर प्रदेश में आने वाले सभी निवेश सुरक्षित हैं, जो भारत की सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने वाले साबित होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत 09 वर्षों में राज्य में सुरक्षा के साथ-साथ स्केल को स्किल एवं स्पीड के साथ जोड़ा है। उत्तर प्रदेश टेक्नोलॉजी और ट्रस्ट का प्रदेश ही नहीं, बल्कि भारत में ट्रांसफॉर्मेशन के नये युग को बढ़ाने वाला प्रदेश है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में 34 से अधिक सेक्टोरल पॉलिसी हैं। सुरक्षा का एक बेहतरीन वातावरण है। इन सभी के बीच हमने उत्तर प्रदेश में वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर भी उपलब्ध कराया है। औद्योगीकरण के साथ ही सर्विस सेक्टर में भी अनन्त सम्भावनाओं को प्रदेश में प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। उत्तर प्रदेश में बड़ा इन्वेस्टमेण्ट करना आसान है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में आज प्रशिक्षित एवं कुशल मैनपावर उपलब्ध है। प्रदेश में 75 हजार एकड़ लैण्ड बैंक एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट व डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के आसपास उपलब्ध है। यह लैण्ड बैंक इन्वेस्टमेंट, इंडस्ट्रियलाइजेशन, लॉजिस्टिक्स तथा सर्विस सेक्टर को स्थापित करने में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि किसी भी इण्डस्ट्री के लिए जो आधार चाहिए, वह एम0एस0एम0ई0 सेक्टर होता है। यह सेक्टर उत्तर प्रदेश में पहले से मौजूद है। प्रदेश में 96 लाख एम0एस0एम0ई0 यूनिट संचालित हैं। इन यूनिट्स ने 03 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार से जोड़ रखा है। आज उत्तर प्रदेश पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ने का कार्य कर रहा है। भारत और सिंगापुर के बीच रणनीतिक साझेदारी के फोकस सेक्टर डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक, स्मार्ट नेशन टू सेमीकंडक्टर, ग्रीन शिपिंग कॉरिडोर हैं। भारत में सर्वाधिक एफ0डी0आई0 सिंगापुर करता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने 'लैण्ड ऑफ पोटेंशियल से लैण्ड ऑफ परफॉर्मेन्स' की सफलतापूर्वक यात्रा आप सबके सामने प्रस्तुत की है। विगत 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश की जी0एस0डी0पी0 13 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 36 लाख करोड़ रुपये होने जा रही है। दुनिया में किसी भी स्थान पर ऐसा देखने को नहीं मिला होगा, कि वह राज्य अपनी अर्थव्यवस्था को 09 वर्षों में लगभग तीन गुना बढ़ाने में सफल हुआ हो। उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था में 9.5 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश, भारत में टॉप अचीवर स्टेट है। भारत में डी-रेगुलेशन रैंकिंग में फर्स्ट रैंक उत्तर प्रदेश की है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 05 वर्षों में उत्तर प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बनकर उभरा है। आज उत्तर प्रदेश में ट्रिपल एस-'सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड' है। प्रदेश में सभी सेक्टरों में जो कार्य किए गए हैं, यह सभी उत्तर प्रदेश के विकास का मल्टीप्लायर इम्पैक्ट हैं। इस इफेक्ट को आगे बढ़ाकर उत्तर प्रदेश के विजन को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के रूप में स्थापित करना है। आगामी 03 से 04 वर्षों में उत्तर प्रदेश अपने आपको 01 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के रूप में स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत में सबसे ज्यादा फूड ग्रेन का उत्पादन करने वाला राज्य उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश के पास भारत की 11 प्रतिशत लैण्ड है, जिसमें से उत्तर प्रदेश 21 प्रतिशत से अधिक फूड ग्रेन का उत्पादन करता है। उत्तर प्रदेश ने अपने आपको भारत के फूड बास्केट के रूप में स्थापित किया है। फूड प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन से सम्बन्धित अन्य अभियान के लिए उत्तर प्रदेश इन्वेस्टमेंट के लिए प्रत्येक निवेशक को आमंत्रित करता है। निवेशकों को इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, इंडस्ट्रियल पार्क और गुड गवर्नेंस का लाभ उत्तर प्रदेश में प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत के कुल एक्सप्रेस-वे का 55 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में है। रेलवे का लगभग 16 हजार कि0मी0 का सबसे बड़ा नेटवर्क भी उत्तर प्रदेश में है। उत्तर प्रदेश के 07 शहरों में मेट्रो का संचालन किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट्स और 04 इण्टरनेशनल एयरपोर्ट्स संचालित हैं। 5वाँ इंटरनेशनल एयरपोर्ट नोएडा के जेवर में बन रहा है। बहुत शीघ्र ही हम उसे राष्ट्र को समर्पित करने वाले हैं। नोएडा एयरपोर्ट में ही कार्गो और एम0आर0ओ0 की सुविधा विकसित करने की दृष्टि से हमने सिंगापुर का भ्रमण किया है। जेवर एयरपोर्ट के पास हमने सिंगापुर सिटी के लिए भी एक डेडिकेटेड प्लान को प्रस्तुत किया है। हमने लैण्ड की व्यवस्था की है, निवेशकों का यहाँ पर स्वागत है।

एक्सप्रेस-वे, हाई-वे पर हमने 27 इण्डस्ट्रियल क्लस्टर को डेवलप करने की कार्यवाही को आगे बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश एक लैण्ड लॉक्ड स्टेट है। उत्तर प्रदेश के पास सबसे अच्छा जल संसाधन भी है। प्रदेश की नदियों को वॉटर-वे के रूप में भी आगे बढ़ाने का कार्य किया गया है। भारत का पहला वॉटर-वे वाराणसी से हल्दिया के बीच में संचालित हो चुका है। इस पर मल्टीमोडल विलेज की स्थापना करने की कार्यवाही तेजी के साथ आगे बढ़ी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भारत के 55 प्रतिशत मोबाइल व 60 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेण्ट की मैन्युफैक्चरिंग होती है। विगत कुछ वर्षों में प्रदेश में स्थापित इण्डस्ट्री की संख्या 14 हजार से बढ़कर 31 हजार हुई है। उत्तर प्रदेश में निवेशकों को निवेश मित्र व निवेश सारथी नामक सिंगल विण्डो क्लीयरेन्स की सुविधा उपलब्ध है। उद्यमी मित्र के माध्यम से सफलतापूर्वक इन्वेस्टमेंट के बाद इन्सेन्टिव वितरण कार्य ऑनलाइन होता है, जिसमें डी0बी0टी0 के माध्यम से इन्वेस्टर्स के बैंक खाते में पैसा सीधे चला जाता है। टाइम बाउंड क्लीयरेन्स व ट्रांसपेरेंट लैण्ड अलॉटमेण्ट की व्यवस्था उत्तर प्रदेश में है। उत्तर प्रदेश में एफ0डी0आई0 व फॉर्च्यून 500 कंपनियों के लिए भी एक डेडिकेटेड पॉलिसी उपलब्ध करायी गयी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ आबादी में से 56 फीसदी आबादी कामकाजी है। उत्तर प्रदेश में स्किल मैनपावर उपलब्ध है। लेबर रिफॉर्म, एजुकेशन, हेल्थ, स्किल डेवलपमेण्ट, एम0एस0एम0ई0, ओ0डी0ओ0पी0, स्टार्ट-अप में उत्तर प्रदेश की ताकत हम सबको आगे बढ़ा रही है। इसी का परिणाम है कि विगत 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपने एक्सपोर्ट को ढाई गुना से अधिक बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है।

दो दिनों में उ0प्र0 को लगभग 01 लाख करोड़ रु0 के निवेश प्रस्ताव प्राप्त, जिनमें अब तक 60 हजार करोड़ रु0 के एम0ओ0यू0 इन्वेस्ट यू0पी0 के साथ सम्पन्न : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 24 फरवरी, 2026 को सिंगापुर भ्रमण के दूसरे दिन मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के लोग भारत और उत्तर प्रदेश की इमेज को सकारात्मक रूप में देख रहे हैं। उत्तर प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा में आमूलचूल बदलाव आया है। दुनिया भर के लोग उत्तर प्रदेश में निवेश करने के लिए सकारात्मक भाव से सोचते हैं। विगत दो दिनों में उत्तर प्रदेश को लगभग 01 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें अब तक 60 हजार करोड़ रुपये के एम0ओ0यू0 इन्वेस्ट यू0पी0 के साथ यहाँ सम्पन्न हो चुके हैं। यह एम0ओ0यू0 व निवेश प्रस्ताव उत्तर प्रदेश को 01 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विजनरी लीडरशिप में भारत ने विगत 11 वर्षों में समग्र विकास के विभिन्न आयाम छुए हैं। विगत 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स, सर्विस सेक्टर तथा वेलफेयर सेक्टर में बहुत अच्छी प्रगति की है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में जो मेहनत हुई है, उसका प्रकाश और यशगाथा देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के लोगों को सुनाई दे रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दो दिनों में यहाँ 100 से अधिक लोगों से मुलाकात हुई है। सिंगापुर के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, ऊर्जा मंत्री के साथ-साथ टेमासेक, जी0आई0सी0, यू0एस0सी0, जी0एस0एस0 ग्रीन, सैप कोर्स, ब्लैक स्टोन जैसी प्रमुख फिनटेक कम्पनियों के चेयरमैन और सी0ई0ओ0 के साथ बहुत सकारात्मक बातचीत हुई है। इनमें से कई कंपनियों का भारत और उत्तर प्रदेश में पहले से ही इन्वेस्टमेंट है। गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण में भी कुछ कंपनियों ने इन्वेस्टमेंट किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में कार्गो फैसिलिटी डेवलप करने और एम0आर0ओ0 विकसित करने के लिए जो कार्य किया जाना है, उसमें सिंगापुर को दक्षता प्राप्त है। भारत सहित दुनिया भर के एयरक्राफ्ट अपने मेंटेनेंस, रिपेयर एण्ड ओवरहालिंग के लिए सिंगापुर आते हैं। यह सुविधा भारत में भी हो सकती है, जिसे हम लोग नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर क्षेत्र में डेवलप करना चाहते हैं। हम लोगों ने यहाँ के एम0आर0ओ0 और कार्गा फैसिलिटी को देखा है। सिंगापुर की कम्पनियाँ इन सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रतिनिधिमण्डल के साथ उन्होंने यहाँ के एक आई0टी0ई0 सेण्टर का विजिट किया, जो स्किलिंग का विश्वस्तरीय सेण्टर है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि डबल इंजन सरकार प्रदेश के प्रत्येक जनपद में स्केल को स्किलिंग में बदलने और स्किलिंग को एम्प्लॉयमेण्ट के साथ जोड़ने के लिए लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एम्प्लॉयमेण्ट एण्ड इण्डस्ट्रियल जोन डेवलप करने की कार्यवाही कर रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह देखकर अच्छा लगा कि सिंगापुर में प्रत्येक व्यक्ति सकारात्मक भाव से सोचता है। साथ ही, इन लोगों ने होमवर्क भी कर रखा है। पहले से ही उनकी नजर प्रत्येक घटना पर होती है। दुनिया काफी ट्रांसपेरेंट हो चुकी है। हमारे यहाँ होने वाली घटनाओं की जानकारी सिंगापुर में रह रहे लोगों के पास है।

सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त ने हमारी टीम के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की सम्भावनाओं को बिजनेस, इन्वेस्टमेण्ट, फिनटेक, लॉजिस्टिक्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेण्टर, सेमीकण्डक्टर, एम0आर0ओ0, स्किलिंग आदि मुद्दों को आगे बढ़ाने के लिए सम्पूर्ण कार्यक्रम को बेहतर ढंग से तय किया। इन्वेस्टमेण्ट, एम्प्लॉयमेण्ट और वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी की दिशा में उत्तर प्रदेश की सम्भावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े हैं।

भारतीय मूल के लोगों को अपने देश की उन्नति और समृद्धि के लिए अपना योगदान देना चाहिए: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 25 फरवरी, 2026 को टोक्यो, जापान में भारतीय मूल के लोगों के साथ 'संवाद कार्यक्रम' को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने जापान में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को होली की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जापान 'Land of Sun' और भारत 'Son of Sun' है। इस प्रकार भारत और जापान एक-दूसरे को जोड़ते हैं। हम यहां दो दर्जन से अधिक डेलीगेशन से मिले हैं, जिनमें राजनेता, मंत्री, गवर्नर व उद्योगपति शामिल थे। सभी लोग भारत और उत्तर प्रदेश की तारीफ कर रहे थे। हर डेलिगेशन बहुत सकारात्मक भाव के साथ भारत में निवेश करने को इच्छुक है। उन्हें उत्तर प्रदेश में 'ट्रस्ट, टेक्नोलॉजी एण्ड ट्रांसफॉर्मेशन' की त्रिवेणी देखने को मिल रही है। यह चीजें दिखाती हैं कि हमारी दिशा एकदम सही है। हमें अपनी स्पीड को और बढ़ाना होगा। उस स्पीड को निरन्तरता देने के लिए हमें आपके सकारात्मक सहयोग की भी अपेक्षा रहेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस समय दुनिया के अंदर आर्थिक क्षेत्र में काफी उथल-पुथल मची हुई है, जो बहुत दिनों तक नहीं रहेगी। धैर्य के साथ पूरी दुनिया इसे देख रही है। हम लोगों को भी इन स्थितियों में जिस देश में रह रहे हैं, वहां का संबल बनना होगा, लेकिन साथ-साथ अपने देश के बारे में भी सोचना है और उसे आगे बढ़ाने में अपना योगदान देना है।

जापान में भारतीय मूल के लगभग 55 हजार लोग रहते हैं। हमें अलग-अलग समूह बनाने के बजाय यहां की सरकार के साथ मिलकर जापान के विकास में योगदान देने के साथ-साथ भारत के विकास कार्यक्रमों को मजबूती से आगे बढ़ाना होगा। यद्यपि हमारे प्रवासी भारतीय इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रहे हैं। हम लोगों को मिलकर इन विकास कार्यक्रमों को और मजबूती देनी होगी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत', 'आत्मनिर्भर और विकसित भारत' के संकल्प को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देना होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुनिया में जब भी भारतीय मूल के लोगों या किसी देश पर कोई संकट आता है, तो भारत द्वारा सहायता पहुंचती है। प्रधानमंत्री जी स्वयं फ्रण्ट फुट पर रहकर अपने लोगों को वहां से सुरक्षित निकालने में योगदान देते हैं। भारत कभी भी अपने नागरिकों के हितों, उनकी सुरक्षा में सेंध नहीं लगाने देता, हमेशा उनके साथ खड़ा रहता है। भारतीय मूल के लोगों को अपने देश की उन्नति और समृद्धि के लिए अपना योगदान देना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत से हजारों किलोमीटर दूर जापान में भारतीय मूल के रह रहे लोग यहां के विकास में योगदान दे रहे हैं। आप सभी ने अपनी आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को संजो कर रखा है। विभिन्न पर्व और त्योहारों में आप सभी की एकजुटता इस बात को प्रदर्शित करती है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से विगत 24 जनवरी को यहां भी 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस' मनाया गया। इस प्रकार के क्षण हमें अपने राज्य व राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों व नये संकल्पों के निर्वहन का अवसर प्रदान करते हैं। पर्व और त्योहार इन्हीं संकल्पों के प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज लोगों में विकास की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा आगे बढ़ी है। विकास और उन्नति का भाव लोगों के मन में एक नया आकर्षण पैदा कर रहा है। प्रयागराज महाकुम्भ-2025 में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए थे। दुनिया के कई देशों की तो इतनी आबादी भी नहीं है। वर्षभर में उत्तर प्रदेश में 156 करोड़ टूरिस्ट विभिन्न तीर्थ स्थलों व पर्यटन स्थलों पर आए हैं। प्रदेश सरकार ने इन स्थलों के विकास के लिए कार्ययोजना बनायी है, ताकि हम अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति कर सकें, क्योंकि विरासत पर गौरव की अनुभूति करके ही कोई समाज आगे बढ़ सकता है। विरासत पर गौरव की अनुभूति ही कृतज्ञता का ज्ञापन है।

हम भारतीयों के मन में सदैव अपनी मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता का भाव रहता है। 'कृते च प्रति कर्तव्यं एष धर्मः सनातनः' अर्थात किए गए उपकार के बदले में उपकार करना ही सनातन धर्म है। इस प्रेरणा से ओतप्रोत होकर जब हम कार्य करते हैं, तो यह कर्तव्यबोध हम सभी भारतीयों को जीवन के हर क्षेत्र में एक नई ऊंचाई प्रदान करता है। दुनिया में भारतीयों ने विभिन्न क्षेत्रों में अच्छी प्रगति की है। कुछ नया करके दिखाया है। लोगों के लिए एक नई प्रेरणा प्रदान की है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज भारत प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है। देश व दुनिया को एक 'नये भारत' के दर्शन हो रहे हैं। हम 'विकसित भारत की संकल्पना' को साकार होते देख रहे हैं। हमारी पीढ़ी इस बात पर गौरव की अनुभूति कर सकती है कि हमने अपनी विरासत को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया और विकसित भारत के सभी आयामों को छूने का प्रयास किया है। आज भारत हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। समग्र विकास के साथ अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। अच्छी कनेक्टिविटी के साथ सुरक्षा का बेहतरीन वातावरण है। उत्तर प्रदेश में भारत की सर्वाधिक आबादी निवास करती है। उत्तर प्रदेश ने भी विकास के नए आयाम छूने के कार्य किए हैं। अब आप लोगों को उत्तर प्रदेश से कर्फ्यू, दंगों, उपद्रव के समाचार नहीं, बल्कि उत्सव के समाचार आते होंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सेमीकण्डक्टर, डेटा सेण्टर, लॉजिस्टिक्स पार्क, बड़े-बड़े एयरपोर्ट बन रहे हैं। दुनिया के निवेशक भारत के सामर्थ्य व सम्भावनाओं को समझ रहे हैं और इसकी सराहना भी कर रहे हैं। हम देश के हित व विकास तथा मानवता के कल्याण के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं। हमारी ताकत दुनिया को मैत्री और करुणा के पथ पर अग्रसर करने के लिए है। किसी को डराने या किसी पर जबरन शासन करने के लिए नहीं। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर हम सबको मिलकर 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में कार्य करना होगा।

उ0प्र0 निवेश के लिए भारत का सबसे बेहतर राज्य बनकर उभरा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 25 फरवरी, 2026 को जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित 'उत्तर प्रदेश इन्वेस्टमेण्ट रोड शो' कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने जापान के उद्योगपतियों और निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री जी ने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश में निवेश के माध्यम से भारत-जापान औद्योगिक सहयोग भविष्य में और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने जापानी उद्योगपतियों से उत्तर प्रदेश आने व प्रदेश के आध्यात्मिक स्थलों का अनुभव लेने का आग्रह भी किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सुरक्षित वातावरण, मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर, बड़ी बाजार क्षमता और युवा कार्यबल के कारण निवेश के लिए भारत का सबसे बेहतर राज्य बनकर उभरा है। 25 करोड़ आबादी वाला उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य की जितनी बड़ी आबादी है, उतनी ही बड़ी चुनौतियाँ हैं और उतनी ही विशाल सम्भावनाएँ भी हैं। विगत 09 वर्षों में उन सम्भावनाओं को धरातल पर उतारने का हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ है। परिणामस्वरूप, राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय लगभग तीन गुना बढ़ी है। जो राज्य कभी बीमारू कहा जाता था, आज वह भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है और ब्रेक-थ्रू-स्टेट बनकर भारत के विकास में अपना योगदान दे रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश की केवल 11 प्रतिशत कृषि भूमि होने के बावजूद उत्तर प्रदेश देश का करीब 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादित करता है। यह भारत के फूड बास्केट के रूप में जाना जाता है। खाद्यान्न के बीज से लेकर बाजार तक पहुँचाने तथा अन्य सभी प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाने में निवेश कम्पनियाँ बड़ी भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और एग्री लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में बड़े निवेश के अवसर उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री जी ने जापान की पावन धरा को नमन करते हुए कहा कि यह देश 'लैण्ड ऑफ द सनराइज' के रूप में जाना जाता है। उत्तर प्रदेश सूर्यवंश के राजा भगवान श्रीराम की पावन जन्मस्थली तथा भगवान बुद्ध की कर्मभूमि है। भगवान बुद्ध से जुड़े विश्व के सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थल कपिलवस्तु, सारनाथ, श्रावस्ती, कुशीनगर, कौशाम्बी सहित अनेक पवित्र स्थल उत्तर प्रदेश में स्थित हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रदेश में रामायण सर्किट एवं बौद्ध सर्किट को प्रभावी ढंग से विकसित किया जा रहा है, जिससे स्पिरिचुअल टूरिज्म को नई गति मिली है। जब भगवान श्रीराम और भगवान बुद्ध की बात होती है, तो यह सूर्यवंश की उस महान परम्परा से जुड़ती है, जिसकी प्रथम किरण का उदय जापान की धरती पर होता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पर्याप्त मीठा जल संसाधन मौजूद है, जिसका उपयोग कृषि के साथ-साथ ग्रीन हाइड्रोजन के निर्माण, पम्प स्टोरेज की स्कीम तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने में किया जा सकता है। राज्य की 56 प्रतिशत आबादी युवा है, जिससे उद्योग सहित प्रत्येक सेक्टर को पर्याप्त और कुशल मानव संसाधन प्राप्त होता है। विगत वर्षों में प्रदेश में तेजी से इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हुआ है। विगत 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश में अनेक एक्सप्रेस-वे का निर्माण हुआ है। उत्तर प्रदेश में भारत के कुल एक्सप्रेस-वे का 55 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे स्थित है। एक्सप्रेस-वे का विशाल नेटवर्क, देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क और ईस्टर्न-वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन उत्तर प्रदेश में है। एक्सप्रेस-वे के किनारे 27 औद्योगिक क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने जापान के बिजनेस लीडर्स को प्रदेश में इन परियोजनाओं में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री जी ने जापान के उद्यमियों को विशेष रूप से यीडा क्षेत्र में प्रस्तावित जापान इण्डस्ट्रियल सिटी के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। यहाँ 16 एयरपोर्ट संचालित हैं, जिनमें 04 अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं तथा नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट शीघ्र शुरू होने वाला है। जापान से जुड़ी अनेक कम्पनियों ने उत्तर प्रदेश में निवेश किया है। नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट के पास ही जापानी निवेशकों के लिए जापान इण्डस्ट्रियल सिटी विकसित की जा रही है। इसके लिए 500 एकड़ भूमि चिन्हित कर ली गई है। इसका उद्देश्य है कि जापानी उद्योग एक ही स्थान पर क्लस्टर के रूप में निवेश कर सकें। यहाँ उन्हें बेहतर कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और निर्यात सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाएंगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेशकों के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध है। यहाँ निवेशकों का निवेश इसलिए सुरक्षित है, क्योंकि यहाँ स्केल, स्किल, स्टेबिलिटी और स्पीड चारों उपलब्ध हैं। यहाँ स्केल को स्किल में बदलने का सामर्थ्य भी है। भारत के मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेन्ट उत्पादन का लगभग 60 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में हो रहा है। एजुकेशन, मेडिकल हेल्थ, डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और रिन्यूएबल एनर्जी एण्ड हाइड्रोजन एनर्जी में निवेश की अच्छी संभावनाएं हैं। हाल ही में नोएडा क्षेत्र में सेमीकण्डक्टर यूनिट की आधारशिला रखी गई है। प्रदेश में 75,000 एकड़ का लैण्ड बैंक उपलब्ध है। झाँसी के पास बुन्देलखण्ड क्षेत्र में 56,000 एकड़ में नया औद्योगिक शहर 'बीडा' विकसित किया जा रहा है, इससे क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2023 में राज्य में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। लगभग 15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएँ जमीन पर उतर चुकी हैं और 07 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रक्रिया में है। उत्तर प्रदेश में 96 लाख एम0एस0एम0ई0 इकाइयाँ कार्यरत हैं, जिनमें 03 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। नई इकाइयों को 1,000 दिनों तक कई तरह की एन0ओ0सी0 से छूट दी जाती है, ताकि उद्योग आसानी से शुरू हो सकें। निवेशकों को कहीं कोई डिस्टरबेंस नहीं होता है। उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए नियमानुसार तय इन्सेन्टिव प्रदान किये जाते हैं। उन्हें टेक्नोलॉजी के साथ-साथ डिजाइन, मार्केट तथा एक्सपोर्ट से जोड़ने हेतु मदद उपलब्ध कराया जाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में 34 से अधिक सेक्टोरल नीतियाँ लागू हैं। 'निवेश मित्र' और 'निवेश सारथी' जैसी सिंगल विण्डो व्यवस्था से निवेश प्रक्रिया सरल हुई है। 'निवेश मित्र' निवेशकों को सारी औपचारिकताएं पूर्ण करने में सहायता करता है। 'निवेश सारथी' निवेशक के निवेश को प्रभावी ढंग से निवेश कराने में योगदान देता है। बेहतर कानून-व्यवस्था और पारदर्शी नीतियों के कारण उत्तर प्रदेश 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में अग्रणी राज्यों में शामिल है। विगत वर्ष प्रदेश में 156 करोड़ पर्यटक आए, जिससे होटल, रेस्टोरेण्ट, हेरिटेज और स्प्रिचुअल टूरिज्म में निवेश के अवसर बढ़े हैं। प्रदेश में इलेक्ट्रिक व्हीकल मोबिलिटी, डीप टेक, फिनटेक, मेडटेक और सर्विस सेक्टर में भी निवेश की सम्भावनाएँ हैं।

कार्यक्रम में स्पार्क मिण्डा ग्रुप के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री आकाश मिण्डा ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश स्केल, स्पीड और स्टेबिलिटी का प्रतिनिधित्व कर रहा है। आज बड़े पैमाने पर आधुनिक एक्सप्रेस-वेज, फ्रेट कॉरिडोर, औद्योगिक केन्द्र और प्रो-एक्टिव से उत्तर प्रदेश मजबूत मैन्युफैक्चरिंग आधार तैयार कर रहा है। यह आने वाले समय में प्रदेश की औद्योगिक सफलता के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। जापान व भारत न केवल आर्थिक बल्कि विश्वास, गुणवत्ता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साझा मूल्यों से बंधे हैं। जापानी कंपनियों ने भारत की ऑटोमोटिव यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

स्पार्क मिण्डा ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने कहा कि जापानी कंपनियों के लिए उत्तर प्रदेश केवल एक गन्तव्य मात्र नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक औद्योगिक सफलता का लॉन्च पैड है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के विजन और उनके मार्गदर्शन में हमने उत्तर प्रदेश में बहुत सराहनीय परिवर्तन देखे हैं। हम उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में औद्योगिक प्रगति को बेहतर करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। डिस्ट्रिक्ट लेवल इण्डस्ट्रियल पार्क, लॉजिस्टिक्स हब, स्मार्ट टाउनशिप, एक्सपोर्ट फोकस्ड इण्डस्ट्रियल पार्क और कॉरिडोर के डेवलपमेण्ट के लिए राज्य सरकार की पहल के तहत कई बड़े प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति प्रदान की गई है। यीडा क्षेत्र में मात्र 45 दिनों में 02 लाख वर्गमीटर भूमि का आवंटन हुआ है, जो प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की गति और पारदर्शिता को दर्शाता है।

मारुति सुजुकी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (कॉर्पोरेट अफेयर्स) श्री राहुल भारती ने कहा कि विगत वर्षों में हमने प्रदेश में मेगा ट्रांसफॉर्मेशन देखा है। मुख्यमंत्री जी उत्तर प्रदेश को हर क्षेत्र में नम्बर वन बनाना चाहते हैं। फाइनेंशियल डिसिप्लिन, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, रोड एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, एग्रीकल्चर प्रोडक्शन, ट्री प्लांटेशन, एथेनॉल प्रोडक्शन, हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट, टूरिज्म में उत्तर प्रदेश अग्रणी है। इलेक्ट्रिक व मजबूत हाइब्रिड गाड़ियों को बढ़ावा देने पर प्रदेश में एक वाइब्रेण्ट व पॉजिटिव पॉलिसी मौजूद है, जिससे उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड गाड़ियों की ग्रोथ में भारत का नम्बर वन स्टेट बन गया है। यह कार्य सरकारी रेवेन्यू की कीमत पर नहीं हुए हैं, बल्कि इनसे सरकारी राजस्व में वृद्धि दर्ज की गयी।

श्री राहुल भारती ने कहा कि प्रदेश में एक विजनरी, डिसीसिव और मजबूत लीडरशिप है। राज्य में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था तथा अच्छा अनुशासन है। सरकार में फैसले लेने और उन्हें लागू करने की स्पीड बहुत तेज है। यही कारण है कि प्रदेश में अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण हुआ है। उत्तर प्रदेश में उपजाऊ मिट्टी, कई नदियाँ और खेती तथा उद्योग हैं। मारुति सुजुकी की भी प्रदेश में अच्छी मौजूदगी है। ऑटो कम्पोनेंट सप्लाई करने वाली अनेक कंपनियां उत्तर प्रदेश में हैं। उत्तर प्रदेश कम्प्रेस्ड बायोगैस और एथेनॉल दोनों में दुनिया का एक महान नेता बन सकता है। यह इसलिए भी क्योंकि प्रदेश सरकार उत्तर प्रदेश में निवेशकों का स्वागत करती है।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर यूनिट 'इण्डिया चिप' का शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 21 फरवरी, 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर में 3,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत के निवेश से उत्तर भारत की पहली सेमीकण्डक्टर यूनिट 'इण्डिया चिप' (एच0सी0एल0-फॉक्सकॉन के संयुक्त उपक्रम) का शिलान्यास किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा रेल और सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव जनपद गौतमबुद्धनगर में आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि यह हम सभी के लिए यह गर्व की बात है कि उत्तर प्रदेश भारत के सेमीकण्डक्टर ईकोसिस्टम का बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। एच0सी0एल0 और फॉक्सकॉन की यह नई फैक्ट्री टेक्नोलॉजी पावर हाउस के रूप में उत्तर प्रदेश की नई पहचान को और सशक्त करेगी तथा प्रदेश के विकास की गति को और तेज करेगी। इस सेमीकण्डक्टर फैक्ट्री की वजह से उत्तर प्रदेश व देश के युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा। क्योंकि जहां सेमीकण्डक्टर यूनिट आती है, वहां डिजाइन हाउसेज़, आर0 एण्ड डी0 सेंटर्स, स्टार्टअप ईकोसिस्टम बनते हैं। यह सब कुछ उत्तर प्रदेश में होने जा रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे वाला राज्य बन चुका है। उत्तर प्रदेश की चर्चा डिफेंस कॉरिडोर के लिए होती है। देश और दुनिया के लोग आज उत्तर प्रदेश को टूरिज्म की पसंदीदा जगह बना रहे हैं। दुनिया भर के निवेशक आज इसलिए उत्तर प्रदेश आ रहे हैं, क्योंकि वह जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में उनके निवेश का शानदार रिटर्न मिलना तय है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसी आधुनिक कनेक्टिविटी इस पूरे क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाई पर ले जा रही है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग सक्सेस में उत्तर प्रदेश एक मजबूत पिलर के रूप में उभर रहा है। मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग में देश के आधे से अधिक मोबाइल फोन आज उत्तर प्रदेश में ही बन रहे हैं। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश का यह सामर्थ्य और बढ़ने जा रहा है, क्योंकि यहां पर सेमीकण्डक्टर ईकोसिस्टम के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े कॉम्पोनेंट्स भी बनने जा रहे हैं। इससे बहुत बड़ी संख्या में यहां रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी विजनरी लीडरशिप में आज भारत दुनिया में एक बड़ी आर्थिक महाशक्ति के रूप में समग्र विकास के नित नये प्रतिमान स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में पहली सेमीकण्डक्टर परियोजना का शिलान्यास कार्यक्रम प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों से सम्पन्न हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश को इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के एक नये हब के रूप में स्थापित किया है। विगत 04 दिनों से भारत मण्डपम में आयोजित इण्डिया ए0आई0 इम्पैक्ट समिट-2026 में देश एवं दुनिया के लगभग 10 लाख लोगों ने प्रत्यक्ष भागीदारी की। इस समिट में 110 देशों की सहभागिता रही। इस ए0आई0 इम्पैक्ट समिट के माध्यम से भारत के भविष्य को उज्ज्वल और मानवता के जीवन को अधिक सरल व सुगम बनाने की दिशा में विजन दिया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने गत वर्ष सेमीकॉन इण्डिया-2025 में कहा था कि 'ऑयल वॉज़ ब्लैक गोल्ड, बट चिप आर डिजिटल डायमण्ड'। उन्होंने कहा कि उन्हें भी यह लगता है कि 21वीं सदी की अर्थव्यवस्था, उसकी सुरक्षा तथा विकास चिप आधारित तकनीक पर निर्भर कर रहा है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में यह विजन भारत में पहली बार वर्तमान पीढ़ी को देखने को मिल रहा है। उनके विजन के प्रति प्रत्येक भारतवासी व उत्तर प्रदेशवासी कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप उत्तर प्रदेश के स्केल को स्किल एवं स्पीड के साथ जोड़ने का कार्य किया गया है। आज उसके परिणाम हमें यहां पर धरातल पर दिखायी दे रहे हैं। डबल इंजन सरकार ने ईज ऑफ डुइंग बिजनेस के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में फियरलेस बिजनेस, ट्रस्ट ऑफ डुइंग बिजनेस का एक मजबूत ईकोसिस्टम स्थापित किया है। 34 से अधिक सेक्टोरल पॉलिसी के माध्यम से उत्तर प्रदेश को निवेश के एक ड्रीम डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज डीरेगुलेशन, ईज़ ऑफ डुइंग बिजनेस में देश में अग्रणी राज्यों में है। राज्य सरकार ने डीक्रिमिनलाइजेशन द्वारा 99 राज्य अधिनियमों में 13 प्रतिशत से अधिक आपराधिक प्राविधानों को भी समाप्त किया है। इसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री जी का विजन प्रभावी रूप से प्रत्येक सेक्टर में उतरता हुआ दिखायी दे रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी के विजन को आगे बढ़ाते हुए एच0सी0एल0 एवं फॉक्सकॉन के ज्वाइण्ट वैंचर को उत्तर प्रदेश में स्थापित करने में अपना लगातार सकारात्मक योगदान देने के लिए केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री तथा केन्द्रीय वाणिज्य उद्योग राज्य मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यहां के जनप्रतिनिधियों तथा अन्नदाता किसानों ने यीडा के साथ मिलकर अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वहन किया है। इस सकारात्मक भूमिका के कारण यह क्षेत्र मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेण्ट के एक बड़े हब के रूप में अपने आपको स्थापित कर रहा है।

केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, रेल और सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि आज प्रधानमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश में देश के पहले सेमीकण्डक्टर प्लाण्ट की आधारशिला रखी। सेमीकंडक्टर जिस देश में होता है, वहां कई तरह की मैन्युफैक्चरिंग सम्भव हो जाती है।इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के एक्सपोर्ट में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है, जिसमें उत्तर प्रदेश का अत्यधिक योगदान है।

सरकार का प्रयास, यदि आपदा आती है, तो 24 घण्टे के अन्दर पीड़ित के खाते में धनराशि पहुंच जाए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 21 फरवरी, 2026 को यहां लखनऊ में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ 2025) के अन्तर्गत 2.51 लाख किसानों को 285 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति राशि तथा मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अन्तर्गत 3,500 परिवारों को 175 करोड़ रुपये की सहायता राशि वितरित की। उन्होंने बटन दबाकर लाभार्थियों के खाते में धनराशि प्रेषित की। इसके साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना तथा कृषि यंत्रीकरण के लिये अनुदान योजना के 05-05 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किये तथा 05 युवा आपदा मित्रां को जीवन बीमा कवर प्रदान किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य कृषि विकास योजना के अन्तर्गत बागपत, शामली, कासगंज और भदोही में उप कृषि निदेशक कार्यालय एवं मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, स्मार्ट कृषि ब्यूरो स्टूडियो तथा मऊरानीपुर, जनपद झांसी में 50 कमरों के छात्रावास का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा किआज सरकार का प्रयास होता है कि यदि आपदा आती है, तो 24 घण्टे के अन्दर पीड़ित के खाते में धनराशि पहुंच जाए। बाढ़, आकाशीय बिजली, आगजनी तथा अन्य प्रकार की आपदा के लिए वर्ष 2025-26 में राज्य आपदा मोचक निधि में 876 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जिसमें फसल क्षति से प्रभावित 5,14,322 किसानों को 260 करोड़ रुपये की कृषि निवेश अनुदान वितरित किया गया है। जन-हानि के 5,398 पीड़ितों को 216 करोड़ रुपये तथा मकान क्षति के 27,448 प्रभावितों को 24 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की जा चुकी है।उन्होंने कि कहा कि पहले आपदा आती थी और वर्षों तक पीड़ित का कोई पुरसा हाल नहीं पूछता था। पीड़ित को कम्पनसेशन नहीं मिल पाता था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कल ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश सरकार का वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट में युवाओं, महिलाओं, अन्नदाता किसानों और गरीबों के लिए बहुत सारी योजनाओं की घोषणायें की गयी हैं। आज एक साथ 460 करोड़ रुपये अन्नदाता किसानों के खाते में सीधे पहुंच रहे हैं। इसमें किसी बिचौलिए की आवश्यकता नहीं पड़ी। जब हम अपनी फसल का बीमा कराते हैं, तो वह आपदा के कारण फसलां के नुकसान की भरपाई के रूप में वापस कर देता है। फसल बीमा के अन्तर्गत अच्छी फसल का बहुत छोटा सा हिस्सा प्रीमियम के रूप में लिया जाता है। यह अन्नदाता किसानों के लिए एक सम्बल है।उन्होंने कहा कि 75 जनपदों के जिलाधिकारी यह प्रयास करें कि आज आच्छादित होने वाले सभी परिवारों को आज या कल तक यह पैसा सभी आश्रित परिवारों या किसानों के बैंक खाते में हर हाल में पहुंच जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन में फर्स्ट रिस्पॉन्डर आपदा मित्र हो सकता है। आपदा मित्र के रूप में प्रधानमंत्री जी ने देश के लिए एक बड़े अभियान को हाथ में लिया है। उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री जी की इस पहल को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। 25 जनपदों में 29,772 युवा स्वयंसेवक जिनमें एन0सी0सी0, एन0एस0एस0, एन0वाई0के0एस0, भारत स्काउट एण्ड गाइड को प्रशिक्षित कर आपदा मित्र प्रबंधन से जुड़े अनेक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया है। इसके लिए स्वयंसेवकों को 07 दिवसीय प्रशिक्षण के साथ जोड़ा गया है। उन्हें इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट, आपदा मित्र ट्रेनिंग मॉड्यूल, आई0डी0 कार्ड और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया हैं। इमरजेंसी रिस्पॉन्डर किट में लाइफ जैकेट, सर्च टॉर्च, मेडिकल फर्स्ट एड बॉक्स, गम बूट्स, सेफ्टी हेलमेट, सेफ्टी चश्मा एवं रेन सूट सहित आपदा से बचाव के 15 आइटम शामिल हैं।

प्रदेश सरकार ने समस्त प्रशिक्षित युवा स्वयंसेवकों को 03 वर्ष के जीवन और चिकित्सा बीमा से आच्छादित करने का निर्णय लिया है। इसके लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा अधिकृत नेशनल इन्श्योरेन्स कम्पनी के साथ 10 फरवरी, 2026 को एक एम0ओ0यू0 किया गया है। आपदा मित्र को 3 वर्ष के लिए 05 लाख रुपये तक का जीवन बीमा सुरक्षा कवर प्रदान किया गया है। प्रदेश में 29,772 युवा स्वयंसेवकों के सापेक्ष अभी तक 2,959 युवा स्वयंसेवक प्रशिक्षित किए गए हैं और शेष का प्रशिक्षण भी क्रमबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के किसानों को मौसम की जानकारी समय पर मिल सके, इसके लिये मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी, आजमगढ़ में डॉप्लर वेदर रडार की स्थापना की जा रही है। इससे ससमय किसानों व नागरिकों को आकाशीय बिजली गिरने के खतरे की जानकारी मिल सकेगी तथा आपदा से बचाव किया जा सकेगा। साथ ही, प्रदेश के अन्दर 450 ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन और ब्लॉक स्तर पर 2,000 ऑटोमेटिक रेन गेज स्थापित करने की कार्रवाई लगभग पूर्ण हो चुकी है। प्रदेश में वर्तमान में प्रचलित 45,000 होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया में 19,000 प्रशिक्षित आपदा मित्रां को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अन्नदाता किसानों को होली की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश में अन्नदाता इसी प्रकार उन्नत खेती के माध्यम से प्रदेश की समृद्धि में अपना योगदान देते रहेंगे। डबल इंजन सरकार पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी रहेगी।

लखनऊ को ए0आई0 सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 22 फरवरी, 2026 को यहाँ लखनऊ में IBM AI Gov-Tech Innovation Centre का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी के समक्ष आई0बी0एम0 एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मध्य 02 एम0ओ0यू0 का आदान-प्रदान किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विजनरी लीडरशिप में भारत ने समग्र विकास की नई आधारशिला रखी है। विगत 11 वर्ष में इन्फ्रास्ट्रक्चर व डीपटेक के क्षेत्र में भारत ने जिन ऊंचाइयों को प्राप्त किया है, वह अद्भुत, आश्चर्यजनक व दुनिया के लिए कौतूहल का विषय है। प्रदेश सरकार ने तय किया है कि लखनऊ को ए0आई0 सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। यदि आई0बी0एम0 इस कार्य में सहयोग करेगी, तो इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आई0बी0एम0 ने आई0आई0टी0 कानपुर में देश का पहला कम्प्यूटर स्थापित करने में योगदान दिया था। क्वॉण्टम कम्प्यूटिंग के लिए उत्तर प्रदेश की दावेदारी मजबूत है, क्योंकि प्रदेश लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार, आई0आई0टी0 कानपुर व आई0बी0एम0 क्वॉण्टम कम्प्यूटिंग की दिशा में कार्य करने के लिए तत्पर हैं। तीनों मिलकर आगे बढ़ेंगे, तो प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप क्वॉण्टम कम्प्यूटिंग का कार्यक्रम उत्तर प्रदेश से प्रारम्भ होकर डीपटेक की दिशा में आगे बढ़ने में सफल होगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गत वर्ष उन्हें आई0आई0टी0 कानपुर में डीपटेक पर आधारित कॉन्फ्रेंस में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ था। राज्य सरकार ने मेडटेक के लिए आई0आई0टी0 कानपुर के साथ मिलकर कार्य किया है। वर्तमान में अलग-अलग क्षेत्रों में 07 सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस प्रदेश में कार्यरत हैं, जो उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। हेल्थ सेक्टर में लखनऊ का एस0जी0पी0जी0आई0 अच्छा कार्य कर रहा है। आई0आई0टी0 कानपुर भी उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज डिजिटल इण्डिया की सफलता विभिन्न मंचों के माध्यम से प्रस्तुत हो रही है। वैश्विक नेताओं ने नई दिल्ली में आयोजित इण्डिया ए0आई0 इम्पैक्ट समिट में प्रधानमंत्री जी के विजन को सराहा। प्रधानमंत्री जी की लीडरशिप में डिजिटल इण्डिया की सफलता की कहानी सबके सामने है। 140 करोड़ भारतवासियों को डिजिटल पहचान पत्र प्राप्त हुआ। 50 करोड़ लोग भारत में आयुष्मान भारत की सुविधा प्राप्त कर रहे हैं। देश के 50 करोड़ परिवार पारदर्शी बैंकिंग प्रणाली के अन्तर्गत डी0बी0टी0 के माध्यम से अपने खातों में शासन की सुविधा और योजनाओं का सीधे लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कल गौतमबुद्धनगर जनपद में प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश की पहली सेमीकण्डक्टर यूनिट की आधारशिला रखी गयी है। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में रोबोटिक्स के सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस हेतु धनराशि का प्राविधान किया है। इससे पूर्व, ड्रोन टेक्नोलॉजी के लिए भी सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना हेतु बजट की व्यवस्था की गयी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार प्रत्येक सेक्टर में कार्य कर रही है, जिसका परिणाम आज उत्तर प्रदेश में दिखाई दे रहा है। प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर में टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग कर प्रत्येक वर्ग के जीवन में परिवर्तन लाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के सिंगापुर भ्रमण की झलकियां

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के जापान भ्रमण की झलकियां